रेलवे वैगनों/रेकों द्वारा जिप्सम की बिक्री

एफ ए सी टी कोचीन संभाग में करीब 60 लाख मी ट जिप्सम का बृहत स्टॉक उपलब्ध है। कुछ वर्षों के पहले विविध कृषि ग्राहकों एवं सिमेंट कंपनियों को सडक परिवहन द्वारा जिप्सम भेजा था। समान्यतः जिप्सम उत्पादन की 20% सडक परिवहन से भेजी जा रही थी तथा एक ट्रक में परिवहन के लिए करीब 20 मी ट जिप्सम की संभाव्य था तथा ट्रकों की उपलब्धि सीमित थी।

मार्च 2007 के महीने में जिप्सम की लागत प्रति मी ट के लिए 75/- रूपए के थे। बाद में अच्छी गुणता के जिप्सम की मांग बढी तथा धीरे धीरे बाजार मूल्य भी बढती रही और अब 2008 के अन्त में प्रति मी ट के लिए 700/- रूपए तक स्थिर रहा और अच्छी गुणता जिप्सम की मांग दृढतापूर्वक जमा रहती है।

पहले हमने प्राइवट पार्टियों को कृषि के उद्देश्य के लिए तथा छोटे पैमाने के उद्योग आदि के लिए सडक मार्ग से जिप्सम भेजे थे और तमिलनाडु, कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश के सिमेंट कंपनियों को तथा केरल में मलबार सिमेंट, वालयार को सिमेंट के उत्पादन के लिए बडे पैमाने में सडक मार्ग से जिप्सम भेजे थे। इन दीर्घ मार्गों से जिप्सम की बिक्री बढाने के लिए हमने रेलवे से पूर्ण रेक में एवं आधे रेक में जिप्सम परिवहन करने के लिए योजना तैयार की है।

हमने दिनांक 27/5/2008 को तमिलनाडु सिमेंट्स को जिप्सम रेलवे वैगनों में पूर्ण रेक में (3117 मी ट) प्रेषित करके बिक्री शुरू की है। बाद में अन्य सिमेंट कंपनियों ने भी रेल द्वारा जिप्सम लेना शुरू किया है। 2008-09 के दौरान केरल के बाहर में स्थित विविध सिमेंट कंपनियों को 19 पूर्ण रेक तथा मलबार सिमेंट्स को 8 आधा रेक जिप्सम भेजा है। इनकी मात्रा 83036 मी ट है तथा कोचीन संभाग के वार्षिक बिक्री की 40 प्रतिशत है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में केरल के बाहर में स्थित सिमेंट कंपनियों को 13 पूर्ण रेक तथा मलबार सिमेंट, वालयार को 5 आधा रेक जिप्सम प्रेषित किया है। जिनकी मात्रा 58785 मी ट है तथा कुल बिक्री की 50 प्रतिशत है। प्रतीक्षा की जाती है कि जिप्सम बिक्री के लिए देदीप्यमान वर्ष होगा जिससे एफ ए सी टी को अधिक आय की संभावना है।

कोचीन डिविज़न में नए वायु शोषण टब्बर का कमीशनिंग

एफ ए सी टी कोचीन डिविज़न के सल्फ्यूरिक एसिड संयंत्र में 1989 में वायु शोषण टब्बर स्थापित किया गया। दीर्घकालीन सेवा के कारण इसे 2009 में पुनः स्थापित करने की आवश्यकता थी। नए वायु शोषण टब्बर के निर्माण की योजना बनाई तथा 2007 में शुरू की और 2008 में पूरा की। ए टी ए 2009 के दौरान सफलतापूरक मिलाया गया और कमीशन किया गया।